

zu lesen) sich mit den fünf Elementen verbinden d. i. sterben (vgl. u. पञ्चत्व) MBh. 14, 474. NILAK. erklärt: संभूतत्वं संकृतत्वं नियच्छति नाशयति यथा भूतानि पृथग्भवत्तोत्पत्त्यः। ताम्यः पुनः संभूतित्वात् नाशं क्रौत् konnte sich nicht wieder aus denselben zusammenfinden TS. 5, 3, 2, 1. — 2) coire: पत्या सं भवेत् AV. 14, 2, 32. तावित् सं भवाव 14, 2, 71. 12, 3, 2. काममा विज्ञानिताः संभवाम TS. 2, 3, 4, 3. मिथुनौ संभवतः 7, 3, 9, 4. तथा समभवन्मुनिः MBh. 3, 8638. तथा सत् 1, 4398. R. GORR. 1, 39, 11. तथा सार्धम् MBh. 1, 4279. mit acc.: तां संभवत् ÇAT. Bb. 1, 7, 4, 1. 2, 1, 4, 3. 14, 4, 2, 5. figg. स्त्रियम् TBH. 1, 3, 2, 4. TS. 5, 3, 4, 1. सो ऽग्निना पृथिवीं मिथुनं समभवत् ÇAT. Br. 6, 1, 2, 1. 10, 6, 5, 4. AIT. Br. 3, 23. Nir. 12, 10. — 3) fassen, Raum haben für (acc.) P. 5, 1, 52. प्रस्यं संभवति कटाहः Sch. न मे कृतः समभवद्दसु तत्प्रतिगृह्यतः war nicht gross genug MBh. 2, 1808. — 4) Raum finden, Platz haben in: अलिङ्गरे यदा चैव नासौ (मत्स्वः) समभवत्किल MATSJOH. 12. सं देवत्रा वंभूव्युः ihr nehmt euren Platz unter den Göttern ein RV. 1, 93, 9. aufgehen in, enthalten sein in: खायां द्रोणाः संभवति द्रोणा अघ्नं संभवति सक्त्रे शतमित्यादि Z. d. d. m. G. 7, 310, N. 3. — 5) valere. wirken: यस्मात्कुमारस्य रेतः सितं न संभवति यस्मादस्य मध्यमे व्यसि संभवति यस्मादस्य पुनरुत्तमे व्यसि न संभवति ÇAT. Br. 11, 4, 2, 7. 15. — 6) entstehen, sich bilden, geboren werden. hervorgehen, werden AV. 4, 19, 6. अयाद्ये समभवत् 10, 8, 21. 11, 8, 8. 3, 22, 1. यस्मात्पद्मादमृतं संभवत् 4, 33, 6. 9, 3, 6. 12, 3, 51. तत्संभूयं भवत्येकमेव 10, 8, 1. ÇAT. Br. 1, 6, 3, 3. 2, 20. रेतसश्चतुषी एव प्रथमे संभवतः 4, 2, 2, 28. मृता पुनः संभवति 10, 4, 2, 10. AIT. Br. 2, 3, 3, 2. 5, 24. 6, 31. कृद्भ्यो ऽध्यमृतात्संभवत् TAHT. Up. 1, 4, 1. असदेवदमग्र आसीत् तत्सदान्तत्समभवत् bildete sich, entwickelte sich KĪND. Up. 3, 19, 1. अङ्गि-दङ्गात्संभवति KAUSH. Up. 2, 11. ञ्व. GRH. 1, 13, 9. संभवामि (Kṛshṇa spricht) युगे युगे BHAG. 4, 8. श्रैर्वस्तस्याम् MBh. 1, 2610. 4398. स सावत्वत्यामनिरयः संभवत् धनंजायत् 8028. 3, 8840. कथं संभवते येनौ 13870. तस्याः संभवोदरे KATHÁS. 27, 73. स एव मे पुनर्गर्भं संभूयान्मुचिर्वली 46, 235. fig. BHATT. 6, 138. तस्य पुत्रः समभवत् R. 1, 43, 2. सप्त ज्ञातिशतान्येव मृतयाः संभवन्तु ते 39, 18. BHAG. P. 10, 1, 23. अथ यासवदत्ताया वत्से-शकृदयोत्सवः । संभूवाचिरार्द्रः KATHÁS. 22, 1. संभवत्यव्ययाद्ययम् M. 1, 19, 27. दर्पान्मानः समभवत् MBh. 3, 8494. 1647. Kir. 3, 22. तथान्ये द्रव्य-निचयाः प्रजातः संभवति हि Spr. 3408. यावती संभवेद्द्विस्तावतीं दातु-मर्हति M. 8, 155. ततो युद्धं समभवद्देवानां दानवैः सत् MBh. 3, 8716. 3, 7142. 7268. R. 6, 83, 17. BHATT. 17, 59. काकाकारः समभवत् MBh. 1, 1173. 3, 15695. 15717. कुर्यः समभवन्मरुत् 1, 6203. घोरा समभवत्संख्या-दारुणा मृगयन्तिणः 5890. समभावि (impers.) च कोपेन BHATT. 6, 34. संभा-षणं कुशलप्रसन्नं संभवत् Vet. in LA. (II) 8, 21. BHAG. P. 1, 4, 7. संभूत-entstanden, hervorgegangen aus, hervorkommend P. 4, 3, 41. MAITREJUP. 6, 19. तस्माद्वा एतस्मादात्मन आकाशः संभूतः TAHT. Up. 2, 1. कुले मर्हति संभूता M. 7, 77. R. 2, 26, 20. H. 35. M. 9, 133. 10, 5. R. 1, 33, 2. मेरुस्तस्यानु (so ist zu trennen) संभूतः MĀRK. P. 45, 65. आसुरादधि संभूता धर्मात् aus einer Asura-Ehe stammend MBh. 13, 2476. PRAB. 3, 3, 9, 9. पङ्कसंभूता (अब्जिनी) KATHÁS. 39, 160. गिरिसंभूता (नदी) R. Einl. SĀH. D. 62, 18. बुद्धिमोहः कथमयं संभूतस्त्वयि R. 2, 73, 20. न वा वचनसंभूतं रोषं धारयितुं नमे HARIV. 13308. गिरिनिररुं (निन्द) R. 2, 28, 7. शरिरिल्लेशं (धर्म) R. GORR. 2, 108, 30. परापकति (यशस्) KATHÁS. 22, 27. स्पशं (मुद्) MĀRK.

v. Theil.

P. 74, 15. संभूतभूरिगजवाजिपदातिसेन्य dem entstanden war so v. a. im Besitz seiend von, versehen mit KATHÁS. 49, 250. ऽजलदाशय KĀM. NITIS. 14, 33. संभूतसंत्रास erschrocken RĀGA-TAR. 2, 73. कनकं aus Gold gebildet, — gemacht (भूयणा) HARIV. 12012. 12248. 12250. 12410. जङ्ग-वीतीरं (मुद्) herkommend von MBh. 13, 1813. Jnd zu Theil werden: यन्मङ्गलं सद्ब्रह्मते सर्वं देवनमस्कृते । वृत्रनाशे समभवत्तते भवतु मङ्गलम् ॥ R. 2, 23, 30. कालिदासकविता नवं वयः u. s. w. संभवत्तु मम जन्मजन्मानि Spr. 633. 2637. 4363. KATHÁS. 37, 151. मम — अशीतिवर्षाणि समभवन् (so ist zu lesen) so v. a. ich bin 80 Jahre alt geworden PAÑKĀT. 192, 3. erfolgen, geschehen, Statt haben; dasein, sich vorfinden, vorkommen: तथा समभवच्चापि यदुवाच विभोयणाः MBh. 3, 16478. तदाश्चर्यं समभवद्यत् u. s. w. HARIV. 11044 (S. 791). भाग्येनैतत्संभवति Hit. 10, 11. कथमेवं संभवति 121, 18. 122, 6. DHĪRTAS. in LA. 76, 17. संभवति स्तोमे LĀTU. 6. 4, 2, 6, 3, 17. ÇĀKH. GRH. 1, 1, 6, 3. यावत्ति तस्या रोमाणि संभवत्ति so v. a. wie viele Haare sie hat MBh. 13, 3585. P. 2, 1, 8, Sch. किं कदाचित्पत्तिपुरीये मुच्यं संभवति PAÑKĀT. 192, 14. ब्राह्मणे विद्या संभवति तत्रिये शौर्यम् Z. d. d. m. G. 7, 310, N. 3. भावात्रयमिदम् — यन्मनुष्येषु संभवत् KATHÁS. 6, 148. संभवत्यभिजातानामभिमानो कृत्वात्रिमः 18, 55. RĀGA-TAR. 4, 307. DAÇAK. 101, 8 (med.). यत्रानेकमार्तर्षं संभवति KĀC. zu P. 1, 4, 30. Sch. zu P. 5, 4, 17. KĀJ. zu P. 7, 1, 30. Hit. 100, 17. 111, 8. 11. 129, 6. कति प्रकाराः संधीनां संभवति giebt es 130, 12. SĀH. D. 50, 20. पुरुषे परिणामो न संभवति NILAK. 33. Ind. St. 1, 23, 26. संभवत्साधनानि daseiend. vorhanden KATHÁS. 11, 63. werden mit einem praed. im nom.: एतावती मर्हिना सं भूव so v. a. bin RV. 10, 123, 8. सर्वाङ्कामानात्त्वामृतः समभवत् AIT. Br. 8, 14. ÇAT. Br. 14, 8, 45, 12. AIT. Up. 4, 5. SUND. 1, 30. 4, 11. MBh. 1, 1362. 1449. 3, 8843. 12, 4278. HARIV. 11041 (S. 791). अनेकशतसाकृर्देनवैः — वृतः समभवदैत्यः 13868. R. 2, 104, 20. R. GORR. 1, 13, 24. Spr. 2347. KATHÁS. 34, 205. RĀGA-TAR. 4, 581. Verz. d. OxL. H. 33, a, 11. दिवसार्धं समभवन्मासेनैव समम् MBh. 4, 711. दशवर्षसद्ब्रह्मणि शतानि दश पञ्च च । जलवासी समभवत् verblieb, war HARIV. 12611. SĪRĀS. 12, 69. काक एवासौ संभवति es ist die Krähe, es wird die Krähe sein Hit. 97, 18. एतौ वा अश्वं मर्हिमानावभितः संभवत्तुः so v. a. kamen zu stehen ÇAT. Br. 10, 6, 2, 1. संभूतं geworden zu: ते धूमसंघाः संभूता मेघसंघाः सविद्युतः MBh. 1, 1128. 3, 7550. राहुयसनसंभूतं (विद्यु) so v. a. von Rāhu verschlungen DṚSHĀNTĀC. 79 in HAEB. Anth. 224. — 7) mit einem acc. = अभिसंभू- eingehen in, theilhaft werden: क्रमाते संभवत्यर्चिरुः प्रुक्तं तद्योत्तरम् । अयनं देवलोकं च सवितारं च वैद्युतम् JĀC. 3, 193. 196. संभूय करणानि 148. — 8) mit einem influ. vermögen: न यन्निवन्तुं समभावि (impers.) भानुना (तमः) ÇIÇ. 1, 27. — Vgl. संभव u. s. w. — caus. 1) zu Stande bringen, herstellen: प्राणमेव तत्संभावयति प्राणं संस्करते AIT. Br. 2, 40. अथधिषुर्वा एतत्सोमं यद्भिसुपुवुस्तदेनं पुनः संभावयति पुनराप्यायति 3. 32. Hiernach haben die adv. असंभव्यम् und असंभाव्यम् (s. u. d. Ww.) die Bed. auf unheilbare, nicht wieder gut zu machende Weise. Vollbringen, vollführen: तृतीयं स्वस्तिवाचनं समभावयम् MBh. 3, 13316. fig. येन (असदिन्द्रियतर्षणो, संभाव्यमानेन (= पूर्वमापोन Schol.) BHAG. P. 3, 23, 7. — 2) Jnd (acc.) begrüßen MBh. 3, 742. 1982. सो ऽश्चर्येण भगवांस्तां (वडवां) मुखे समभावयत् (= सङ्गमकरोत् Schol.) HARIV. 399. कम्पेन मूर्धः शतपत्रयोनिं वाचा हरिं वृत्रकर्णं स्मितेन । अलोकमात्रेण सुरानशेषान्स-